औरंगाबाद से जयनगर तक नॉर्थ-साउथ फोरलेन कॉरिडोर

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

पटना | प्रियरंजन

औरंगाबाद से नेपाल सीमा के पास स्थित जयनगर तक एक नई फोरलेन सड़क बनेगी। केंद्र सरकार ने भातरमाला योजना के तहत इस प्रोजेक्ट को रखा है। इसका नाम नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर रखा गया है।

पहले केंद्र ने इस सड़क को दरभंगा तक ही बनाने का फैसला किया था। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने प्रस्ताव देकर इसका विस्तार नेपाल सीमा तक कराया है। औरंगाबाद से शुरू होने के कारण यह सड़क जीटी रोड यानी एनएच-2 से भी से जुड़ जाएगी। इस तरह दिल्ली से बिहार होते हुए नेपाल तक के लिए यह चार लेन सड़क हो जाएगी। पथ निर्माण विभाग ने इसकॉरिडोर का एलायनमेंट तय कर केंद्र सरकार को भेज दिया है। केंद्र ने इसकी जिम्मेवारी एनएचएआई को दी है। वहां से मंजूरी के बाद ही इसके एलायनमेंट पर अंतिम मुहर लगेगी। संभव है जमीन की उपलब्धता और ट्रैफिक के घनत्व को लेकर इसके एलायनमेंट में कुछ बदलाव भी हो।

271 किलोमीटर लंबी होगी नेपाल सीमा तक जाने वाली यह सड़क

06 जिलों से होकर गुजरेगी पटना से भी जुड़ेगी

लेकिन आरंभ और अंतिम बिन्दु तय हो चुका है। साथ ही पटना को भी इससे जोड़ने पर सहमति बन गई है।

इस सड़क के बनने से दक्षिण बिहार सीधे नेपाल से जुड़ जाएगा। वर्तमान एलायनमेंट के अनुसार यह सड़क 271 किमी लंबी होगी। साथ ही छह जिलों से गुजरेगी। औरंगाबाद से शुरू होकर सड़क जहानाबाद होते हुए कच्ची दरगाह पहुंचेगी। वहां से कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल पार कर वैशाली जिले में प्रवेश करेगी। यह भी संभव है कि सड़क को बख्तियारपुर-ताजपुर पुल से जोड़ा जाए। ऐसा हुआ तो वैशाली जिला छूट जाएगा और सड़क पटना से सीधे समस्तीपुर जिले में पहुंच जाएगी। यह जमीन की उपलब्धता के अनुसार तय होगा।

पुरानी सड़कें भी जुड़ेंगी

गंगा पार करने के बाद समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी होते हुए सड़क जयनगर यानी नेपाल सीमा पर जाकर खत्म होगी। सरकार का प्रयास है कि एलायनमेंट ऐसा हो कि कम से कम जमीन अधिग्रहण की जरूरत पड़े। इसके लिए उम्मीद है कि कुछ पुरानी सड़कों को भी इस कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा और चौड़ाई बढ़ाकर चार लेन किया जाएगा।

वैशाली कॉरिडोर का आइडिया ड्राप हुआ

पटना। केंद्र सरकार की भारतमाला योजना के तहत औरंगाबाद से जयनगर के बीच सड़क बनाने की घोषणा हुई तो पथ विकास निगम ने वैशाली कॉरिडोर का आइडिया ड्राप कर दिया है। जमीन की अधिक जरूरत होने के कारण इस योजना को बंद कर दिया गया। फिजिबिलिटी रिपोर्ट के अध्ययन के बाद निगम को लगा कि इस सड़क से जितना लाभ होगा उसके अनुपात में खर्च अधिक होगा। इस प्रोजेक्ट के तहत बोधगया को वैशाली से जोड़ने की योजना थी।